



अधिकतम 35°C  
न्यूनतम 24°C

खबरे छुपाता नहीं, छपता है

# शह टाइम्स

मुजफ्फरनगर, रविवार 28 सितम्बर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 257 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR  
कोड स्कैन करें।  
मुफ्त पढ़ें E-paper

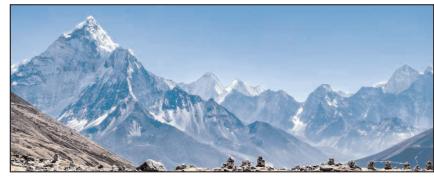


shahtimes2015@gmail.com

आशिवन शुक्र पक्ष 7 विक्रमी सप्तम 2082

5 खंड जल सामी 1447 हिंजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुदायाद, बरेली, मेठा व लखनऊ से प्रकाशित



सुप्रीम कोर्ट से हिमालय को आपदाओं से बचाने की  
अपील

पेज 2



बार्टीय तीरंदाज शीतल देवी बनी पैदा विश्व तीरंदाजी  
चैम्पियन

खेल टाइम्स



पाकिस्तानी पीएम के गृहन में बायान बेतुके: भारत

पेज 11



अटथाद वारदी की 'भागवत' जल्द होगी दिलीज

बॉलीवुड

C  
M  
Y  
K

C  
M  
Y  
K

## तमिलनाडु: एक्टर विजय की ऐली में भगदड़, 36 की मौत मृतकों में आठ बच्चे और 16 महिलाएं शामिल, 56 से ज्यादा लोग घायल, बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

करुर। तमिलनाडु के करुर में एक्टर विजय की रैली में शनिवार शाम को भगदड़ मच गई। इसमें 36 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 16 महिलाएं और 8 बच्चे शामिल हैं।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमएस्टीएम ने यह जानकारी दी। हादसे में 58 से ज्यादा लोग घायल हो गए। आपको जाता है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। अधिकारी से जीवन बने विजय की एक रैली के एक पैद॑ में हजारों की भीड़ पहुंची। एक्टर विजय बच्चे पर छड़कर भाषण दे रहे थे, तभी भगदड़ मची। भगदड़ मचने ही विजय अपना भीड़ इतनी ज्यादा हो गई थी कि

बड़ी संख्या में लोग महुंचे थे। बताया गया है कि 9 साल की एक बच्ची गुण गई थी। विजय ने मंच से उसे तलाशने की अपील पुलिस और अपने लोगों से कही, जिसके बाद वहां भगदड़ जैसे होला बन गए। भीड़ में फँसने से कई लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई और खड़े लोग और कार्यकर्ताओं से अधिक रखने की ओर धक्का दिया। इसके बाद अधिकारीओं से अपील करने लगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करने लगे। उन्होंने लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया। इसके बाद अधिकारी ने यह जानकारी दी। बायोएफ क्षेत्र (एओआर) के समान स्थित लोकोंपैड पर आठकंवादियों की भीड़ गुणी का पता चला है। श्री यादव ने श्रीनगर में वृत्त शैरपत्र के लिए आपोजित एक टी-शर्ट अनावरण समारोह में भी शुभारंभ किया। अंकरको खराक भीसीआर में घुसपैठ की पिराक में मौका तलाश रहे हैं, अंकरकादी अंकर करने की कोशिश करते हैं और उनको को योग्यता दिलाते हैं।

■ एक्टर विजय अपना भाषण बीच में छोड़कर रैली से चले गए।

लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया। इसके बाद अधिकारी ने लोगों से शारीर बनाए रखने की ओर धक्का दिया। इसके बाद अधिकारी ने यह जानकारी दी। बायोएफ क्षेत्र (एओआर) के एक पैद॑ में हजारों की भीड़ पहुंची। एक्टर विजय बच्चे पर छड़कर भाषण दे रहे थे, तभी भगदड़ मची। भगदड़ मचने ही विजय अपना भाषण बीच -शेष पृष्ठ दो पर



## उप्र में अब न नाकाबंदी और न कपर्यू : योगी

कहा: बरेली में एक मौलाना भूल गया था यूपी में सरकार किसकी है

शाह टाइम्स ब्लूरो



लक्खनऊ। बरेली में शुक्रवार को हुए बवाल के बाद शनिवार की सीमी योगी ने कहा कि बरेली में एक मौलाना भूल गया कि राज्य में सत्ता किसकी है। उसे लोग कि वो जब चाहे व्यवस्था को रोक सकता है, विजय हमने साथ किया कि न तो नाकाबंदी होगी और न ही कफ़ून, लेकिन हामने जो सबक सिखाया है, उससे बाली पीड़ियों से उसे भार साचेगी। 2017 से पहले यूपी में यही चलन था, लोकिन 2017 के बाद हमने कर्कष्ण तक नहीं लाने दिया। उत्तर प्रदेश के नियमों की कहानी यहीं से शुरू होती है।

सीएम ने कहा कि जो जाति के नाम पर भद्रकार हैं, उन्हीं के लिए नुमान बुलाना तौकीर रखना था। उन्होंने जो सबक सिखाया है, उससे आने वाली पीड़ियों द्वारा भार साचेगी। 2017 से पहले यूपी में यही चलन था, लोकिन 2017 के बाद हमने कर्क्षण तक नहीं लाने दिया। उत्तर प्रदेश के नियमों की कहानी यहीं से शुरू होती है।

सीएम ने कहा कि जो जाति के नाम पर भद्रकार हैं, उन्हीं के लिए हमने बुलाना तौकीर रखना था। उन्होंने जो सबक सिखाया है, उससे आने वाली पीड़ियों द्वारा भार साचेगी। 2017 से पहले यूपी में यही चलन था, लोकिन 2017 के बाद हमने कर्क्षण तक नहीं लाने दिया। उत्तर प्रदेश के नियमों की कहानी यहीं से शुरू होती है।

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

■ जो जाति के नाम पर भद्रकार हैं, उन्हीं के लिए हमने बुलाकर बनाया था। हमने जो सबक सिखाया है, उससे आने वाली पीड़ियों द्वारा दो बार सोचेंगी।

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर

बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दगड़ायों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सेल्यूट के कुत्ते से हाथ मिलाकर अपने को गोरावन्त -शेष पृष्ठ दो पर





















